Rashtriya Sahara
9-8-2022

वन अनुसंधान संस्थान परिसर में लगा किसान मेला

देहरादून (एसएनबी)। वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) परिसर में बुधवार को किसान मेला आयोजित किया गया। विस्तार प्रभाग द्वारा आयोजित मेले का उद्घाटन भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के महानदेशक अरुण सिंह रावत ने किया। इस दौरान विभिन्न प्रौद्योगीकियों पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई गई।

- किसानों को दी गई ज्ञानवर्धक जानकारी, उत्पादन बढ़ाने के गुर सिखाए
- आईसीएफआरई के महानिदेशक ने किया मेले का उद्घाटन

वन संवर्धन एवं प्रबंधन प्रभाग, रसायन एवं जैव-पूर्वेक्षण प्रभाग, राष्ट्रीय वन पुस्तकालय एवं सूचना केंद्र, आनुवंशिकी एवं वृक्ष सुधार प्रभाग, वन उपज प्रभाग, अकाष्ठ वन उपज शाखा, वाटरशेड प्रबंधन निदेशालय, आईआईपी, कृषि विज्ञान केंद्र, मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान, औषधीय व सुगंधित पौध संस्थान समेत स्वयं सहायता समूहों व उद्यमियों द्वारा स्टाल भी लगाए गए। इसमें किसानों को ज्ञानवर्धक जानकारी दी गई।

इस अवसर पर किसान गोष्ठी भी आयोजित की गई, जिसमें विषय विशेषज्ञों ने किसानों को उत्कृष्ट प्रजातियों के उत्पादन के लिए नर्सरी तकनीक, उत्पादकता वृद्धि के लिए गुणवत्ता, रोपण सामग्री, आय सृजन के लिए कृषि वानिकी, लकड़ी/अकाष्ठ वन उपज के लिए मूल्य संवर्धन, कृषि वानिकी में कीट व रोग प्रबंधन पर जानकारी दी।

किसान मेले में लगे स्टॉल का अवलोकन करते संस्थान के महानिदेशक व निदेशक।।

समापन अवसर पर पर्यावरण से संबंधित मुद्दों व संस्थान की विभिन्न तकनीकों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से लघु नाटिका का मंचन भी किया गया। इससे पहले वन अनुसंधान संस्थान की निदेशक डा.रेणु सिंह ने किसान मेले में शिरकत कर रहे अतिथियों व किसानों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन विजया रात्रे ने किया।

वरिष्ठ वैज्ञानिक डा.चरण सिंह, डा. केपी सिंह, डा. देवेन्द्र कुमार, रामबीर सिंह, प्रीतपाल सिंह, वीरेन्द्र रावत, रमेश सिंह, अनिल कुमार, पूनम पंत, चंद्रमोहन आदि भी इस अवसर पर उपस्थित थे। किसान मेला में धूलकोट, ढालवाला, ऋषिकेश, रुड़की, उमेदपुर आदि क्षेत्रों के किसानों ने प्रतिभाग किया।

The Hawk
8-9-2022

Forest Research Institute, Dehradun Organizes Kisan Mela Sept 7

Kisan Mela was organized in Forest Research Institute, Dehradun on 7th September 2022. The programme was organized by Extension Division, Forest Research Institute, Dehradun. The Director, Forest Research Institute, Dehradun Dr. Renu Singh, IFS gave the welcome address. She welcomed all the dignitaries present and gave a detailed outline of the programme. The Chief Guest for the programme was Shri A.S. Rawat,IFS Director General, Indian Council of Forestry Research and Education who chaired the inaugural session and gave the inaugural address. The programme concluded by vote of thanks by Ms. Richa Misra, IFS Head, Extension Division, FRI.

After the inaugural session, the Chief Guest formally inaugurated the Mela cum Exhibition. The Kisan Mela showcased the technologies developed by different Division of the Institute. Silviculture and Forest Management Division, Chemistry and Bio-prospecting Division, National Forest Library & Information Centre, Genetics & Tree Improvement Division, Forest Products Division had put up stall in the venue. In addition, stall from Watershed Management, Directorate Indian Institute of Petroleum, K.V.K. Dhakrani, Institute of Medicinal & Aromatic Plants, Indian Institute of Soil & Water Conservation put up stalls in the Mela. Stalls were also put up small entrepreneurs, SHG's and organic farming based groups.

Technical sessions was conducted in the Kisan Gosthi hall in the mela ground. Sessions on nursery techniques for planting stock production, Quality Planting Material for productivity enhancement, agroforestry for income generation, value addition for wood/ NWFPs and pest and diseases management in agroforestry were organized . A small skit to raise awareness on environment related issues and different technologies of the Institute was also showed before the audience.

The anchoring of the programme was carried out by Ms. Vijaya Ratre, IFS. The programme was well attended by farmers who came from Dhulkot, Dhalwala Rishikesh, Roorkee, Umaidpur Premnagar, Dehradun etc.

At the end of the programme an interactive session was organized which was chaired by Director, FRI. The entire team of Extension Division Dr. Charan Singh, Dr. Devendra Kumar, Sh. Rambir Singh, Sh. Vijay Kumar, Sh. Preetpal Singh, Smt. Poonam Pant, Sh. Ramesh, Shri Anil Kumar, Sh. Kheema Nand, Sh. Chandra Mohan worked tirelessly to make the programme successful.

Dainik jagran
9-8-2022

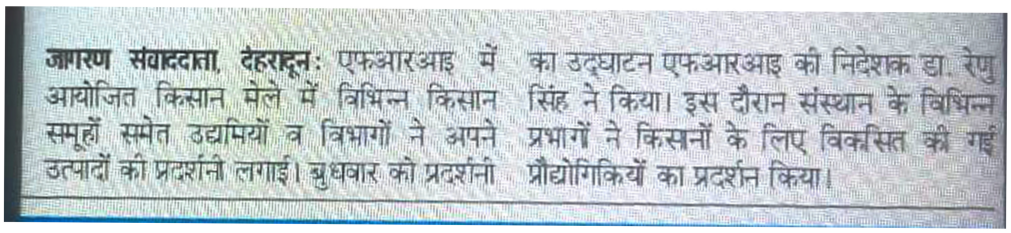

जागरण संवाददाता, देहरादून: एफआरआइ में आयोजित किसान मेले में विभिन्न किसान समूहों समेत उद्यमियों व विभागों ने अपने उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई। बुधवार को प्रदर्शनी का उद्घाटन एफआरआइ की निदेशक डा. रेणु सिंह ने किया। इस दौरान संस्थान के विभिन्न प्रभागों ने किसानों के लिए विकसित की गई प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया।

Amar Ujala
9-8-2022

किसानों ने जानी आधुनिक कृषि तकनीक

वन अनुसंधान संस्थान में हुआ किसान मेले का आयोजन, किसानों के विकास पर दिया जोर

माई सिटी रिपोर्टर

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान में किसानों को कृषि की आधुनिक तकनीकों से रूबरू कराने के लिए किसान मेले का आयोजन किया गया। जिसमें किसानों के लिए प्रदर्शनी के साथ ही मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान, जलागम प्रबंध परियोजना, ओएनजीसी समेत कई संस्थानों की ओर से स्टॉल भी लगाए गए।

बुधवार को आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन आईसीएफआरई महानिदेशक अरुण सिंह रावत ने किया। उन्होंने कहा कि किसान मेलों के आयोजन का उद्देश्य किसानों को आधुनिकतम तकनीकों से रूबरू कराने के साथ ही इन तकनीकों के इस्तेमाल को बढ़ावा देना है।

ताकि देश के किसानों को मजबूत किया जा सके। किसान मेले में वन संवर्धन एवं प्रबंधन प्रभाग, रसायन एवं जैव प्रभाग, राष्ट्रीय वन पुस्तकालय एवं सूचना केंद्र, आनुवांशिकी एवं वृक्ष सुधार प्रभाग, वन उपज प्रभाग, अकाष्ठ वन उपज शाखा के साथ ही छोटे उद्यमियों, स्वयं सहायक समूहों और कृषि उद्यमियों के स्टॉल भी लगाए गए।

मेला प्रांगण में स्थित किसान गोष्ठी हॉल में तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया। उत्कृष्ट प्रजातियों के उत्पादन के लिए नर्सरी तकनीक, उत्पादकता वृद्धि के लिए गुणवत्ता रोपण सामग्री, आय सृजन के लिए कृषि वानिकी, वन उपज के लिए मूल्य संवर्धन और कृषि वानिकी में कीट और रोग प्रबंधन पर सत्र आयोजित किए गए। किसान मेले के दौरान पर्यावरण से जुड़े मुद्दों और संस्थान की विभिन्न तकनीकों के बारे में जागरूकता को लेकर लघु नाटक का मंचन भी किया गया।

किसान मेले में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से आए किसानों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर वन अनुसंधान संस्थान की निदेशक डॉ. रेनू सिंह, ऋचा मिश्रा, वैज्ञानिक डॉ. चरण सिंह, डॉ. देवेंद्र कुमार, डॉ. रामबीर सिंह, विजय कुमार, प्रीतपाल सिंह, पुनम पंत, रमेश सिंह, अनिल कुमार आदि मौजूद रहे।

एफआरआई परिसर में आयोजित किसान मेले में लगे स्टॉल में युवाओं को प्लास्टिक की बोतलों से सजावटी सामान बनाने की जानकारी देती एक संस्था की संचालिका। अमर उजाला

किसान मेले में लगे स्टॉल पर बैम्बू से बने उत्पाद की जानकारी लेते महानिदेशक (एफआरआई) अरुण सिंह रावत, निदेशक रेनू सिंह और अन्य। अमर उजाला

सर्वधर्म प्रार्थना कर एकजुटता का दिया संदेश

कांग्रेस ने भारत जोड़ो यात्रा के तहत गांधी पार्क में आयोजित की प्रार्थना सभा

माई सिटी रिपोर्टर

देहरादून। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की अगुवाई में 'कन्याकुमारी से कश्मीर' तक 3,500 किमी लंबी भारत जोड़ो यात्रा की शुरुआत के मौके पर गांधी पार्क में सर्व धर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया।

इस मौके पर महानगर कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. जसविंदर सिंह गोगी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी केवल एक राजनैतिक दल न होकर एक विचारधारा है। अपने जन्म से लेकर अब तक के राजनीतिक सफर में कांग्रेस सामाजिक बुराईयों को दूर करने के लिए समय-समय पर आंदोलनों के माध्यम से समाज एवं देश के उत्थान के लिए काम करती रही है।

वक्ताओं ने कहा कि आज सत्ता में बैठी ताकतें देश के सर्वधर्म संभाव को कमजोर करने का प्रयास कर रही हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी के सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं को सोनिया गांधी, राहुल गांधी की अगुवाई में इनका डट कर मुकाबला करना है।

कार्यक्रम में चार धर्मगुरु मुस्लिम समुदाय से इलियास, सिख समुदाय से परमजीत सिंह, हिंदू समुदाय से शशिवल्लभ पंत, ईसाई समुदाय से विशप अरनेस्ट सिंह उपस्थित रहे। सर्वधर्म प्रार्थना सभा में दावरी थापली, गरिमा माहरा दसौनी, पूरण सिंह रावत, याकूब सिद्दीकी, मनीष कुमार नागपाल, परिणीता सडोनी, सुमित्रा ध्यानी, आशा मनोरमा डोबरियाल शर्मा आदि मौजूद रहे।

छात्रों ने की प्लास्टिक का उपयोग न करने की अपील

देहरादून। महेशानंद बहुगुणा इंटर कॉलेज, माजरा के छात्रों ने बुधवार को रैली निकाल लोगों से प्लास्टिक का उपयोग न करने की अपील की। इसके साथ ही छात्रों ने पेपर बैग बनाकर पॉलिथीन हटाने का संदेश दिया।

स्कूल परिसर से मुख्य शिक्षा अधिकारी डॉ. मुकुल कुमार सती ने बतौर मुख्य अतिथि हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। छात्रों के साथ मुख्य शिक्षा अधिकारी ने दुकानदारों से पॉलिथीन का उपयोग न करने की अपील की। उन्होंने बताया कि

महेशानंद बहुगुणा इंटर कॉलेज के छात्रों ने निकाली जागरूकता रैली

स्कूल में विभिन्न विषयों की पढ़ाई के साथ-साथ पर्यावरण संबंधी मुद्दों को एक महत्वपूर्ण स्थान दिया जाता है। इस मौके पर उत्तराखंड माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला मंत्री अनिल कुमार नौटियाल, कार्टबरी गुसाई, किरन गोस्वामी, राजेश्वरी डोभाल, मीना बहुगुणा, प्रेरणा, उपेंद्र बहुगुणा, मनीष बहुगुणा, निखिल मौजूद रहे। चंदाद

The Himachal Times
9-8-2022

FRI organizes Kisan Mela

Dehradun, Sep 7 (HTNS): Kisan Mela was organized in Forest Research Institute, Dehradun on September 7. The programme was organized by Extension Division, Forest Research Institute, Dehradun. The Director, Forest Research Institute, Dehradun Dr. Renu Singh, IFS welcomed all the dignitaries present and gave a detailed outline of the programme. The Chief Guest for the programme was A.S. Rawat,IFS Director General, Indian Council of Forestry Research and Education who chaired the inaugural session. The programme concluded with vote of thanks by Richa Misra, IFS Head, Extension Division, FRI.

After the inaugural session, the Chief Guest formally inaugurated the Mela cum Exhibition. The Kisan Mela showcased the technologies developed by different Division of the Institute. Silviculture and Forest Management Division, Chemistry and Bio-prospecting Division, National Forest Library & Information Centre, Genetics & Tree Improvement Division, Forest Products Division had put up stall in the venue. In addition, stall from Watershed Management, Directorate Indian Institute of Petroleum, K.V.K. Dhakrani, Institute of Medicinal & Aromatic Plants, Indian Institute of Soil & Water Conservation put up stalls in the Mela. Stalls were also put up by small entrepreneurs, SHG's and organic farming based groups.

Technical sessions was conducted in the Kisan Gosthi Hall in the mela ground. Sessions on nursery techniques for planting stock production, Quality Planting Material for productivity enhancement, agroforestry for income generation, value addition for wood/NWFPs and pest and diseases management in agroforestry were organized.

A small skit to raise awareness on environment related issues and different technologies of the Institute was also showed before the audience.

At the end of the programme an Interactive Session was organized which was chaired by Director, FRI.

Shah Times
9-8-2022

वन अनुसंधान संस्थान में किसान मेले का आयोजन

निदेशक एफआरआई डॉ. रेनू सिंह व डीजी आईसीएफआरई रावत ने किया मेले में लगाए गए स्टॉल्स का निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून ने बुधवार को किसान मेले का आयोजन किया गया। कायर्क्रम का आयोजन विस्तार प्रभाग, वन अनुसंधान संस्थान की ओर से किया गया। निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान डॉ रेनू सिंह ने स्वागत भाषण दिया।

उन्होंने उपस्थित सभी लोगों का स्वागत किया और कायर्क्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। कायर्क्रम के मुख्य अतिथि एएस रावत, महा. निदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून ने उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की और उद्घाटन भाषण दिया। कायर्क्रम समापन ऋचा मिश्रा प्रमुख, विस्तार प्रभाग, वन अनुसंधान संस्थान के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

उद्घाटन सत्र के बाद मुख्य अतिथि ने मेला सह प्रदर्शनी का औपचारिक उद्घाटन किया। किसान मेला ने संस्थान के विभिन्न प्रभागों की ओर से विकसित प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया। वन संवधर्न एवं प्रबंधन प्रभाग, रसायन एवं जैव-पूवेर्क्षण प्रभाग, राष्ट्रीय वन पुस्तकालय एवं सूचना केन्द्र, आनुवंशिकी एवं वृक्ष सुधार प्रभाग, वन उपज प्रभाग, अकाष्ठ वन उपज शाखा ने आयोजन स्थल पर स्टॉल लगाए। इसके अलावा वाटरशेड प्रबंधन निदेशालय, भारतीय पेट्रोलियम संस्थान, कृषि विज्ञान केन्द्र, देहरादून, औषधीय और सुगंधित पौधे संस्थान, भारतीय मृदा और जल संरक्षण संस्थान द्वारा स्टॉल लगाए गए। छोटे उद्यमियों, स्वयं सहायक समूहों और कृषि उद्यमियों के स्टॉल भी लगाए गए।

कायर्क्रम की एंकरिंग विजया रात्रे, ने की। कायर्क्रम में धूलकोट, ढालवाला, ऋषिकेश, रुड़की, उमेंदपुर, प्रेमनगर आदि से आए किसानों ने भारी संख्या में भाग लेकर कायर्क्रम को सफल बनाया। इन सत्रों में कृषकों ने बढचढकर हिस्सा लिया।कायर्क्रम के अंत में एक इंटरएक्टिव रखा गया, जिसकी अध्यक्षता निदेशक वन अनुसंधान संस्थान की ओर से की गई। विस्तार प्रभाग की पूरी टीम डॉ. चरण सिंह, वैज्ञानिक-सफ, डॉ. देवेन्द्र कुमार, वैज्ञानिक-ई, रामबीर सिंह, वैज्ञानिक-ई, विजय कुमार, सहायक वन संवधर्निक, प्रीतपाल सिंह, वन राजि अधिकारी, पूनम पंत, अनुभाग अधिकारी, रमेश सिंह, सहायक, अनिल कुमार तकनीशिन, खीमानंद, वरिष्ठ तकनीकी सहायक, चन्द्र मोहन, बहुकायर्कमी 'के अथक परिश्रम करके कायर्क्रम को सफल बनाने में अपना अमूल्य सहयोग दिया।